वर्ष :: 32 अंक : 47
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला वर्णन

स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता

झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 28 अगस्त, 2022 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

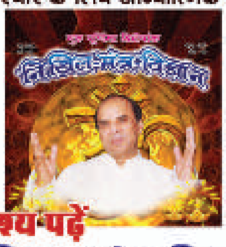

अवश्य पढ़ें
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

झारखंड का अगला सीएम अब कौन ?

सियासत... शह-मात के खेल में झामुमो ने भाजपा का गणित बिगाड़ा, जाना था बंगाल-छत्तीसगढ़, पहुंच गए लतरातू नौका विहार और सीएम हाउस

– : शशांक शेखर :–

रांची/बोकारो/पटना : झारखंड में जिस राजनीतिक भूचाल की आशंका थी, वह आखिरकार सामने आ ही गयी। एकबार फिर यहां सरकार के नेतृत्वकर्ता को लेकर अस्थिरता का दौर शुरू हो चुका है। राजनीतिक दलों की आपसी रस्साकशी के बीच चुनाव आयोग द्वारा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अयोग्य ठहराए जाने को लेकर राजभवन को अनुशंसा किए जाने के बाद अब यह सवाल अहम् है कि झारखंड का अगला मुख्यमंत्री आखिर कौन होगा? राज्य में यूपीए के सभी विधायकों के साथ शनिवार को हेमंत सोरेन ने जिस कदर पिकनिक पॉलिटिक्स का परिचय दिया, वह भाजपा का गणित बिगाड़ता दिख रहा है। जाना था बंगाल, छत्तीसगढ़, पहुंच गए लतरातू डैम में नौका विहार करने और उसके बाद वापस सीएम हाउस। ऑपरेशन लोटस को जवाब देने के लिए यूपीए लगातार अपनी एकजुटता दिखाने की कोशिश में लगा है।

अति उत्साहित भाजपा निश्चिन्त थी और शायद अभी भी है। यदि हेमंत को अपनी करनी के लिए चुनाव आयोग अयोग्य घोषित कर दे, तो जेएमएम के नौ तथा कांग्रेस के आठ एमएलए उनके खेमे में अपनी उपस्थिति दर्ज करा देंगे। इसे लेकर भाजपा ओवर कॉन्फिडेंस में थी, लेकिन उसका यह गणित उस समय फेल कर गया, जब कांग्रेस के तीन विधायकों की बंगाल में गिरफ्तारी हो गई और उनकी जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील तथा पूर्व अटॉर्नी जनरल मुकुल रोहतगी आगे आए। कोलकाता में मुकुल रहतोगी द्वारा उनके लिए बेल के लिए प्रार्थना करना यह दर्शाता है कि इसके पीछे कहीं न कहीं भाजपा का हाथ था। लेकिन, हेमंत कितने दिनों तक अपना कुनबा संभालकर रखेंगे, इस प्रश्न का जवाब देना अभी किसी के लिए भी मुश्किल है।

ऑफिस ऑफ प्रॉफिट मामले में यदि हेमंत सरकार को चुनाव आयोग दोषी मानता है तथा बसंत सोरेन को इसी मामले में दोषी करार देता है तो हेमंत सोरेन हर हाल में अपने परिवार के सदस्य को ही मुख्यमंत्री बनाना चाहेंगे। उनकी भाभी सीता सोरेन कई बार अपने विद्रोह का बिगुल बजा चुकी हैं। श्रीमती सोरेन का मानना है कि यदि उनके पति जीवित होते, तो आज मुख्यमंत्री के दावेदार वही होते। दूसरी ओर, शिबू सोरेन के विरुद्ध अत्यधिक आय अर्जित करने के मामले में सीबीआई जांच का आदेश लोकपाल दे सकते हैं (मामला लंबित है)। हेमंत की पत्नी कल्पना सोरेन का चूंकि ओडिशा की हैं, इसलिए उन पर अत्यधिक प्रश्न हो सकते हैं। ऐसे में हेमंत और बसंत की मां रूपी सोरेन ही एकमात्र बचती हैं, लेकिन उनका स्वास्थ्य भी बहुत अच्छा नहीं है। हर जगह वह पहुंच नहीं सकती हैं। ऐसे में यह प्रश्न अभी भी है कि झारखंड का मुख्यमंत्री अब कौन बनेगा? हालांकि, जोबा मांझी और चंपई सोरेन के भी नाम भी इसके लिए राजनीतिक गलियारे में घूम रहे हैं, परंतु यह प्रश्न है कि क्या हेमंत सोरेन यह सियासी जोखिम लेंगे?

जयप्रकाश नड्डा बोले- बीजेपी अभी 'वेट एंट वाच मोड' में

दिल्ली से भाजपा के अध्यक्ष जयप्रकाश नड्डा ने 'मिथिला वर्णन' को बताया कि हम अभी 'वेट एंड वाच' की नीति अपनाएंगे। जेएमएम चूंकि भ्रष्टाचार के दलदल में फंसा है, तो यह भ्रष्टाचार का कुनबा कितने दिनों संभाले रखेगा, इसका शीघ्र ही पर्दाफाश होगा। झारखंड की जनता भ्रष्टाचार से त्रस्त हो चुकी है। हर जगह असंतोष की लहर है और जेएमएम में हर कोई मौके का इंतजार कर रहा है।

भाजपा का दुर्भाग्य- यहां हर कोई स्वयंभू

भाजपा का दुर्भाग्य झारखंड में यह है कि यहां कोई एकमात्र नेता नहीं है, जिस पर नरेंद्र मोदी की तरह लोग एकमत हो सकें। यहां एक तरफ बाबूलाल मरांडी, दूसरी तरफ अर्जुन मुंडा और तीसरी तरफ खनिज लीज मामले में मुकदमा दर्ज करानेवाले रघुवर दास, तीनों अपने-आप को सर्वश्रेष्ठ नेता मानते हैं। अंदरुनी तौर पर आपस में कहीं न कहीं वर्चस्व की लड़ाई है। सभी स्वयंभू हैं। ऐसे में भाजपा का अगला स्टैंड क्या होगा, फिलहाल कहना कठिन है।

कांग्रेस-जेएमएम में अंदरूनी विद्रोह की संभावना

ज्ञातव्य है कि 81 विधायकों में से सिर्फ 15 प्रतिशत ही मंत्री बन सकते हैं। इसलिए भाजपा फिलहाल स्थिति भांपने में लगी है। सभी को मंत्री नहीं बनाया जा सकता है और जानकारों की मानें तो ऐसे में कांग्रेस और जेएमएम में अंदरूनी विद्रोह की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। हालांकि, कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय का कहना है कि उनकी पार्टी के सभी विधायक हेमंत के साथ एकजुट हो खड़े हैं। दूसरी तरफ, बीजेपी के शीर्ष नेता का दावा है कि जेएमएम के 9 और कांग्रेस के 6 विधायक अभी भी भाजपा के संपर्क में हैं। इस परिस्थिति में कुल मिलाकर झारखंड का पॉलिटिकल सर्कस आनेवाले दिनों में और रोमांचक होगा, इसमें कोई संदेह नहीं।

सुविधा 30 जून 2022 से पहले या 31 दिसंबर 2022 के बाद अलग होनेवाले पूर्व कर्मियों के सकेगा फायदा

बोकारो में फिर लाइसेंस पर मिल सकेगा 'आशियाना'

बीएसएल आवंटित करेगी ई, एफ व ईएफ टाइप के आवास

संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल), बोकारो पावर सप्लाई कंपनी लिमिटेड (बीपीएससीएल) तथा बोकारो स्थित सेल की अन्य इकाइयों के पूर्व कर्मचारियों के लिए लाइसेंसिंग स्कीम के तहत आवासों का आवंटन एक बार फिर शुरू होने जा रहा है। इस योजना के तहत वैसे कर्मचारी, जो कंपनी की सेवा से 30.06.2022 को या उससे पहले पृथक हुए हों अथवा वैसे कर्मचारी, जो 31.12.2022 को कंपनी की सेवा से पृथक होंगे, वे कैंप-2 सहित अन्य सभी सेक्टरों में अवस्थित वैसे ई, एफ, ईएफ टाइप आवास बीएसएल की आवास लाइसेंसिंग स्कीम के तहत आवंटन हेतु आवेदन दे सकते हैं, जिनमें वे फिलहाल रह रहे हैं और उनकी सेवाकाल के दौरान कंपनी द्वारा उन्हें आवंटित किया गया हो।

स्टेट बैंक कलेक्ट पर ऑनलाइन उपलब्ध होंगे फॉर्म

इस योजना के तहत लाइसेंस पर आवास आवंटन हेतु फॉर्म 24 अगस्त 2022 से स्टेट बैंक कलेक्ट पर ऑनलाइन उपलब्ध होंगे। इच्छुक आवेदकों को स्टेट बैंक कलेक्ट की वेबसाइट पर ही फॉर्म ऑनलाइन जमा करना होगा। ऑनलाइन फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 23 सितम्बर 2022 तय की गई है। आवेदन की प्रिंटेड प्रति (हस्ताक्षर युक्त) नगर सेवा भवन के मेन गेट पर अवस्थित काउंटर के ड्रॉप बॉक्स में 24 सितम्बर 2022 को 10.00 बजे सुबह से 12:30 बजे अपराह्न तक जमा कर सकेंगे। इस योजना के तहत आवेदक को एक ही आवास आवंटित की जाएगी।

एक से अधिक आवासधारी को नहीं मिलेगा लाभ

बोकारो स्टील प्लांट के संचार प्रमुख मणिकांत धान के अनुसार बीएसएल, बीपीएससीएल तथा बोकारो स्थित सेल की अन्य इकाइयों के वैसे भूतपूर्व कर्मचारी/ऑन रोल कर्मचारी अथवा उनके पति/पत्नी इस योजना का लाभ नहीं उठा सकेंगे, जिन्होंने एक से अधिक आवास का दखल किया हो। बीएसएल, बीपीएससीएल तथा बोकारो स्थित सेल की अन्य इकाइयों के वैसे भूतपूर्व कर्मचारी/ऑन रोल कर्मचारी अथवा उनके पति/पत्नी, जिनके नाम पर बी एस सिटी में आवासीय/ व्यावसायिक प्लॉट हो या वैसे भूतपूर्व/ऑन रोल कर्मचारी, जिनके पति/पत्नी के नाम पर बीएसएल का आवास आवंटित हो अथवा कंपनी आवास लीज/लाइसेंस पर हो, वे भी इस योजना का लाभ नहीं उठा सकते हैं।

सिक्योरिटी मनी के रूप में देने होंगे डेढ़ लाख रुपए

इस योजना के लिए 1000/- (नॉन रिफंडेबल) रुपये मात्र प्रोसेसिंग शुल्क रखा गया है। लाइसेंस पर आवास आवंटन के लिए सिक्योरिटी डिपॉजिट के तौर पर 1,50,000/- रुपये तथा अन्य शुल्क के तौर पर 47,190 /- मात्र जमा करना तय किया गया है। विस्थापित श्रेणी के आवेदकों को सिक्योरिटी डिपॉजिट के तौर पर 75,000/- रुपये जमा करना होगा। आवास लाइसेंस योजना की अन्य शर्तों से जुड़ी विस्तृत जानकारी के लिए इससे संबंधित सर्कुलर देखा जा सकता है।

संपादकीय

विनाशकाले विपरीत बुद्धि

किसी ने सच ही कहा है कि- 'जब नाश मनुज पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है।' विनाश काल में बुद्धि विपरीत हो जाती है। बिहार में सत्ताधारी दल के कुछ नेता और शासन-प्रशासन में शीर्ष पदों पर तैनात कुछ अधिकारियों के हालिया रवैये से तो फिलहाल यही निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि ऐसे लोग अब बिहार में नीतीश सरकार की ताबूत में अंतिम कील ठोक रहे हैं। दरअसल, बिहार में किसी भी सूरत में मुख्यमंत्री की कुर्सी पर कब्जे को लेकर नीतीश कुमार का जो चेहरा सामने आया है, उससे उनके राजनीतिक चरित्र में तेजी से गिरावट आने की तस्वीरें साफ दिखने लगी हैं। अहंकार न सिर्फ नेताओं के, बल्कि अधिकारियों के सिर चढ़कर बोल रहा है। शायद यही वजह है कि सरकार के कारिंदे निरीह जनता पर डंडे बरसा रहे हैं तो सत्ता से जुड़े शीर्ष नेताओं की जुबान आग उगलने लगी है। इनकी बौखलाहट भी साफ तौर पर देखी जा सकती है। बिहार में नीतीश सरकार की विफलता को लेकर अब कोई सवाल खड़े करना भी अपराध की श्रेणी में आ रहा है। लेकिन, अगर सच कहें तो बिहार में राजद की मेहरबानी पर फिर से मुख्यमंत्री बने नीतीश कुमार के शासन में एक बार फिर से गुण्डाराज लौट आया है। हाल के दिनों में अपराध की बढ़ती घटनाओं को लेकर बिहार की वर्तमान सरकार पर उंगली उठने लगी है। विरोधी इसे एक बड़ा मुद्दा बना रहे हैं। लेकिन, हाल ही में राजधानी पटना में जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे शिक्षक अभ्यर्थियों पर जिस तरह से डंडे बरसाये, उसने अंग्रेजी राज की बर्बरता को भी मात देते हुए गुण्डाराज की याद ताजा कर दी है। दरअसल, नौकरी की मांग लेकर राज्य के कोने-कोने से पहुंचे शिक्षक अभ्यर्थियों पर सोमवार को एडीएम (विधि व्यवस्था) ने लाठीचार्ज कर दिया। स्थिति उस समय और तनावपूर्ण हो गई, जब वे स्वयं लाठी लेकर किसी अंग्रेज अफसर की तरह एक अभ्यर्थी पर टूट पड़े, जिसके हाथों में तिरंगा था। वायरल वीडियो फुटेज में साफ दिख रहा है कि वे तिरंगे पर ही लाठी बरसाने लगे और उस अभ्यर्थी ने उस तिरंगे को नीचे नहीं गिरने दिया। वहीं, जब पास खड़े पुलिस के जवान की नजर इस पर पड़ी तो उसने उस अभ्यर्थी के हाथ से सम्मान के साथ तिरंगा ले लिया, ताकि तिरंगे पर लाठी नहीं पड़े। इस घटना की जानकारी जैसे ही उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को मिली, वे एक्शन में आ गए। उन्होंने इसकी जांच के लिए तत्काल दो सदस्यीय समिति का गठन करते हुए किसी भी दोषी पर कड़ी कार्रवाई की बात कही। इधर, डीएम ने भी मामले में रिपोर्ट मांगी है। लेकिन एक सप्ताह बीतने को है, पर आज तक न तो कोई रिपोर्ट सामने आई और न सार्वजनिक रूप से अंग्रेजी बर्बरता को मात देने वाले अधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई की जा सकी है। लेकिन, दूसरी ओर सबसे आश्चर्यजनक बात सामने तब आयी, जब मुंगेर के सांसद और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने सरकार की नाकामी और बिहार में बढ़ती गुंडागर्दी को सीधे तौर पर खारिज करते हुए पत्रकारों के बारे में ही आपत्तिजनक बात कह दी। उन्होंने राज्य में शराबबंदी को पूर्ण सफल बताते हुए यहां तक कह दिया कि, चूंकि पत्रकारों को शराब नहीं मिल पाती, इसलिए वे झूठी खबरें फैलाकर सरकार को बदनाम कर रहे हैं। इतनी घटिया बात उन्होंने कितनी बेशर्मी से कह दी, यह सोचनीय है। जबकि, सच्चाई यह है कि गांव-गांव में शराब की दुकानें खुलवाने वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विगत 5 अप्रैल, 2016 से शराबबंदी कानून लागू की थी। लेकिन, नीतीश सरकार के इस कानून और उसे लागू करने की व्यवस्था की पोल जहरीली शराब से लगातार हो रही मौतों ने खोलकर रख दी है। राज्य सरकार के सुशासन का दावा सवालों के घेरे में है और निशाने पर नीतीश कुमार हैं। इसी महीने छपरा में जहरीली शराब से मरने वालों की संख्या 11 तक पहुंच गई। जबकि, शराबबंदी लागू होने के बाद अब तक सैकड़ों लोगों की मौत सिर्फ जहरीली शराब पीने की वजह से हुई है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) 2020 की रिपोर्ट के अनुसार ड्राई स्टेट होने के बावजूद बिहार में महाराष्ट्र से ज्यादा लोग शराब का सेवन कर रहे हैं। सभी को मालूम है कि बिहार में पुलिस और शराब माफिया की मिलीभगत से गांव-गांव तक शराब की होम डिलीवरी हो रही है। इसके साथ ही जहरीली शराब बनाने और बेचने का कारोबार भी फल-फूल रहा है। इससे पहले जब नीतीश भाजपा के साथ मिलकर सरकार चला रहे थे तो राजद की ओर से विपक्षी दल के नेता तेजस्वी यादव, 'हम' के जीतनराम मांझी आदि नीतीश सरकार पर शराबबंदी को लेकर लगातार हमले कर रहे थे। सत्ता में शामिल कई लोग आज भी इस कानून को लेकर सवाल उठा रहे हैं, लेकिन जहरीली शराब से होने वाली मौतों को लेकर नीतीश कुमार के कान पर जूं नहीं रेंग रहा है। इसीलिए अब यह कहना गलत नहीं होगा कि- 'विनाश काले विपरीत बुद्धि'।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

भारतीयों का इतिहास बोध

अभिव्यक्ति

अभिषेक आनंद
सीतामढ़ी (बिहार)।

इतिहास शब्दशः अर्थ करें तो इति+ ह+आस। अर्थात् ऐसा ही होता आया है। रवींद्रनाथ टैगोर ने कहा "भारत की प्रवृत्ति यदि राष्ट्र-गठन की होती तो अवश्य ही आज भारत में बहुत बड़ी-बड़ी इतिहास की सामग्रियां देखने को मिलतीं और उनसे आधुनिक इतिहासज्ञों का काम बहुत कुछ सहज हो जाता, किंतु यह देखकर मैं इस बात को किसी तरह स्वीकार नहीं कर सकता कि भारत ने अपने अतीत और भविष्य को किसी एक सूत्र में ग्रंथित नहीं किया है। वह सूत्र सूक्ष्म है, परंतु उसका प्रभाव साधारण नहीं है। स्थूल भाव से वह दिख नहीं पड़ता, परंतु उसी ने अब तक हमें अपने पूर्वजों से अलग नहीं होने दिया।"

भारतवर्ष के महान मनीषियों, कवियों, शासकों, कलावन्तों, वास्तुकारों ने कभी अपने बारे में कोई छवि, विवरण या स्मारक बनाने का कार्य किया। जिन्होंने कोणार्क या कांचीपुरम का महान वास्तुशिल्प अथवा नालंदा या तक्षशिला के विश्वप्रसिद्ध विश्वविद्यालय बनाए, बनवाए, वे अपनी भी मूर्तियां, विवरण आदि भी बनवा ही सकते थे।

पश्चिमी और वामपंथी लेखकों ने तो यहां तक कह डाला है कि प्राचीन भारत के लोगों में ऐतिहासिक बोध था ही नहीं। इसका प्रमाण उन्हें यह दिखता है कि भारत में कौन कब राजा हुआ, उसने कितने दिनों तक राज किया, किसको हराया, क्या क्या काम किए, आदि बातों को लिखकर इन्हें इतिहास की किताब का रूप देने की प्रवृत्ति भारतवासियों में कभी नहीं रही। क्या इससे स्पष्ट नहीं होता कि हममें इतिहास बोध नहीं है।

महाभारत के अनुसार ऐसी प्राचीन लोकप्रिय कथा, जिससे धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की व्यावहारिक शिक्षा मिल सके 'इतिहास' कहलाती है। अभिनव गुप्त ने तो इतिहास का अर्थ ही बताया है कि जो प्रत्यक्ष देखा गया है। इति का अर्थ, जो प्रत्यक्ष है, इसको देखकर जो कहा जाता है, वह इतिहास है। अतः यूरोपियन जिसे प्रमाण मानते हैं, उस दृष्टि से भी रामायण के विवरण प्रामाणिक हिस्टरी है। वह काल्पनिक कथा नहीं है।

भारत में पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान और कौशल संरक्षित करने की परंपरा रही है। संगीत, नृत्य, शिल्प कला, नाटक पाककला, हस्तकला पीढ़ियों से संजोकर और सुरक्षित रखे गए हैं। इतिहास की सार्थकता उसके सांस्कृतिक सदुपयोग में ही है। भारत विश्व का एकमात्र देश है, जहां पर आज वह साहित्य पढ़ा जाता है, जो ढाई हजार साल पहले पढ़ा जाता था। आज भी वह भाषायें वह शब्द इस्तेमाल किये जाते हैं, जो ढाई हजार साल पहले किये जाते थे। आज भी कला का वह रूप, वह शब्द, वह गान उपलब्ध हैं, जो चार हजार साल पहले गाये जाते थे। ऐसी विश्व में कोई सभ्यता नहीं है। ज्ञान का संरक्षण और निरंतरता बिना इतिहास बोध के संभव ही नहीं! भारतीयों ने अपने इतिहास को सहजता से अपने जीवन में आत्मसात किया, बिना इतिहास बोध के ऐसा कर पाना संभव नहीं था।

मिथिलांचल में मैथिल ब्राह्मणों की 'पंजीकार व्यवस्था' अपनी वंशावली को लिखित रूप से संरक्षित करने की पारंपरिक व्यवस्था आज तक चली आ रही है। हरिद्वार में सैकड़ों साल पुराने बही खातों में दर्ज वंशावली या सूचना गूगल को भी मात देती है। इन बही खातों में पुराने राजा महाराजाओं से लेकर आम आदमी की वंशावली दर्ज है। अपने पूर्वजों और अपनी परंपराओं से जो जुड़ाव भारतीय महसूस करते हैं, वह बिना इतिहास बोध के संभव नहीं हो सकता! इतिहास लेखन के प्रति भारतीयों की विमुखता का आरोप अनुचित है। यूरोपियनों की 'हिस्टरी' मनुष्य केन्द्रित अथवा स्व-केन्द्रित है। जबकि भारतीय इतिहास दर्शन बहुमुखी है।

भारतीयों की प्राचीनता और उनकी विकसित सभ्यता के रूप से दृष्टि हटाकर उनमें ऐतिहासिक चेतना के अभाव को ढूंढ़ना हास्यास्पद होगा। इतिहास की सार्थकता किसमें है- राजनीतिक घटनाओं के स्मरण में या समाज को दिशा देने में? क्योंकि, भारतीयों में साम्राज्यवादी भूख नहीं रही। दूसरों पर कब्जा कर शासन स्थापित करने की या दूसरों की स्वतंत्रता छीन कर स्वामी बनने की। संभवतः इसीलिए राजाओं के शासन या राजनीतिक घटनाक्रम के विवरण कम मिलते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि भारतीयों में इतिहास बोध है ही नहीं या था ही नहीं। सिर्फ मूर्तियों और स्मारकों को इतिहास समझना एक भूल होगी!

इतिहास से सीखना जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण है इतिहास को सीखना। इस विषय में भारतीय और यूरोपीय एक दूसरे की सहायता कर सकते हैं।

(लेखक युवा समीक्षक हैं और ये इनके निजी विचार हैं।)

कुदरत का कहर

- हिन्दी कविता -

अचला कुमारी करसोग (हि.प्र.)

हे मानव! महसूस तो
निःसंदेह हुआ होगा,
कुछ दिनों से कुदरत का
यह कहर।
पर विचार किया क्या?
बरस रहा यह मौसम,
क्यों बेहिसाब आठों
प्रहर?
खामियां कुछ तो किरदार
में हमारे होंगी,
यूं अकारण न उगलती
कुदरत निज उर से यह
जहर।
उजड़ी पड़ी हैं गांव की
गलियां,
जर्जर हुए पड़े हैं शहर।
छिन गया है पेशा,
देखो! तबाह पड़े हैं
लहलहाते खेत।
दिखाई देते थे नैनों को
जो मनभावन महल,
देखो! बने पड़े हैं वह
रेत।
तन व मन को शीतलता
दान करती थीं जो
सरिताएं,
जिनमें बहता था वह
निर्मल नीर श्वेत।
अब प्रथा बदल गई हो
उनके बहने की जैसे,
बहने लगी हैं वे सेतुओं
के समेत।
हे मानव! तू मानव ही
है!
या रहने लगा है तुझमें
कोई प्रेत!
कहीं कुदरत ने तेरे ही
कारण,
कुछ कुटुम्ब लिए हों
मौत की चादर में लपेट।
क्यों होता नहीं तू सचेत?
क्यों 'पृथ्वी दिवस' पर
लिए प्रण को,
अपने व्यवहार में नहीं
लेता समेट।
धरा को कुरेदने से न
मिली गर तुझे फुर्सत!
यूं ही बेबाक बरसेगी तुझ
पर कुदरत,
तो तनिक दूर नहीं वह
प्रहर।
जब मानव देह तरस
उठेगी,
खाने को दाने अन्न के
दो पहर।
तब न होगी वह जीवन
की आशावान शाम,
न ही होगी ऊर्जावान वह
सहर।
विषय गंभीर है तो विचार
कर,
व धरा को कुरेदने से जा
तू ठहर।
यूं ही नहीं मिलता धरा
का आशीष,
यूं ही नहीं मिलती ईश्वर
की मेहर।
हे मानव! महसूस तो
निःसंदेह हुआ होगा,
कुछ दिनों से कुदरत का
यह कालजयी कहर।

एससी-एसटी वर्ग के उद्यमियों को हरसंभव सहायता देगा बीएसएल

अधिकारियों के साथ बैठक में दिया गया आश्वासन, कई मुद्दों पर चर्चा

संवाददाता

बोकारो : बीएसएल के प्रशासनिक भवन स्थित में एससी-एसटी उद्यमियों के साथ शनिवार को एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) वेद प्रकाश, मुख्य महाप्रबंधक (शॉप्स) जेबी शेखर, मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) अनिल कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) हर्ष निगम, महाप्रबंधक (आई एवं पी) कौशिक भट्टाचार्य, महाप्रबंधक (पीपीएस) जेएन हंसदा, महाप्रबंधक (आई एवं पी) आईएच अंसारी, सहायक निदेशक (एमएसएमई) गौरव कुमार, चीफ मैनेजर (एनएसआईसी) किरण तिरु सहित आई एवं पी के अन्य अधिकारी एवं एससी-एसटी उद्यमी संघ के अधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे। बैठक के आरम्भ में आईएच अंसारी ने सभी का स्वागत किया तथा बैठक के एजेंडा पर प्रकाश डाला। बैठक में एससी-एसटी उद्यमियों से सम्बंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई, विशेषकर उन्हें बीएसएल द्वारा उपलब्ध कराये जा रहे अवसरों का अधिकाधिक लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। उपस्थित वरीय अधिकारियों ने एससी/एसटी उद्यमियों के लिए कायार्देशों में बीएसएल द्वारा किये गए प्रावधानों से भी उन्हें अवगत कराया तथा उन्हें जेम पोर्टल पर पंजीकरण कराने का सुझाव दिया।

मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) वेद प्रकाश तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने एससी-एसटी उद्यमियों को बीएसएल की ओर से सभी वांछित सहयोग उपलब्ध कराने के प्रति प्रबंधन की प्रतिबद्धता दुहराई। बैठक के दौरान उद्यमियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये तथा विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में कौशिक भट्टाचार्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। उल्लेखनीय है कि बीएसएल एवं एससी-एसटी उद्यमियों के बीच सामंजस्य स्थापित करने तथा उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए समय-समय पर बीएसएल द्वारा इस प्रकार के बैठकों का आयोजन किया जाता है।

इस्पात उत्पादन के क्षेत्र में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन महत्वपूर्ण : निदेशक प्रभारी

बीएसएल के मानव संसाधन विकास केंद्र में अधिकारियों के लिए एमटीआई आपके द्वार नामक दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश, सीईओ (बीपीएससीएल) केके ठाकुर, अधिशासी निदेशक (एमटीआई-रांची) संजीव कुमार, अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीके तिवारी, अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) संजय कुमार, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) एस. रंगानी, अधिशासी निदेशक (माइंस) जे. दास गुप्ता, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) ए. श्रीवास्तव, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) सी. महापात्रा सहित विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक एवं अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) संजय कुमार ने सभी का स्वागत किया तथा निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश ने सभी को सुरक्षा शपथ दिलाई और एमटीआई आपके द्वार कार्यक्रम की पृष्ठभूमि में बीएसएल में जारी डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन गतिविधियों पर अपने विचार रखते हुए इसे महत्वपूर्ण बताया। अधिशासी निदेशक (एमटीआई-रांची) संजीव कुमार ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डा। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के दौरान एमटीआई रांची की टीम द्वारा नर्चरिंग टैलेंट-द नेक्स्ट स्टेप विषय पर प्रस्तुतीकरण किया गया।

उद्घाटन सत्र के पश्चात संयंत्र के विभिन्न विभागों आरएमएचपी, ब्लास्ट फर्नेस, कोक ओवन, सिंटर प्लांट, एसएमएस, मिल्स, सी एंड आई टी द्वारा एक्सीलरेटिंग डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर प्रस्तुतीकरण किया गया और रोड मैप तैयार किए गए, साथ ही विचार-विमर्श की गई। अपराह्न इन विभागीय टीमों द्वारा वरीय अधिकारियों के समक्ष भी प्रस्तुतीकरण और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के रोड मैप पर चर्चा की गई।

कस रहा शिकंजा बाइक चोर गिरोह का हुआ खुलासा, 6 बाइक जब्त; 4 बदमाश गिरफ्तार

चोरी की बाइक बनी कोयला चोरी का जरिया

धनबाद के पंकज-संदीप ने खरीदी चोरी की 48 बाइक, हरेक की कीमत 7 हजार

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : कोयला चोरी चोरी के लिए सबसे आसान और सस्ता जरिया इनदिनों साइकिल के बाद बाइक बनी है। चोरी की सभी बाइकों का रूप बदलकर कोयला चोरी में इस्तेमाल किया जा रहा है। इसका खुलासा बीते हफ्ते वाहन चोर गिरोह के खुलासे और इसमें शामिल चार बदमाशों की गिरफ्तारी के साथ हुआ। सिटी डीएसपी कुलदीप चौधरी ने बताया कि बोकारो जिले के ऊपरघाट इलाके में हर दिन करीब 500 से अधिक बाइकों से कोयले की ढुलाई चल रही है। वहीं गिरिडीह के बगोदर, सरिया, डुमरी, बिरनी, राजधनवार, हजारीबाग के विष्णुगढ़, बरकट्ठा इलाकों में रहने वाले कई लोग चोरी की बाइक खरीदकर ऊपरघाट और बनसो-पेक नरकी के रास्ते जंगल के अंदर से चोरी के कोयले को ढोने में उपयोग कर रहे हैं। सभी जगह बाइक इसी गिरोह द्वारा पहुंचाया जा रहा था। बता दें कि पुलिस ने बीते दिनों चोरी की छह बाइकों के साथ चार युवकों को दबोचा। डीएसपी ने बताया कि बीते 21 अगस्त को मनु राम महतो की बाइक (जेएच09एए-1387) चोरी हो गई थी। इसके बाद पुलिस की टीम ने छापेमारी शुरू की। उसी दौरान कांड में धनबाद के मधुबन फुलारटांड़ गिरोह का नाम सामने आया, जिसके बाद पुलिस ने फुलारटांड़ आशा कोठी खटाल से संदीप कुमार यादव को पकड़ा। उसने ही बोकारो के सेक्टर-6 के रहने वाले तीन युवकों की जानकारी दी। फिर सेक्टर-6 के तीनों लकड़ों को पकड़ा गया। फुलारटांड़ से तीन बाइक के साथ सेक्टर-6 से तीन बाइक मिली। तीनों बाइक की पहचान नंबर से हो गई। जबकि, तीन के इंजन और चेचिस नंबर से पहचान की जा रही है। वहीं संदीप के साथ अंकित, भोला और रौनक ने कई बाइक चोरी में अपनी संलिप्तता स्वीकारी है।

डीएसपी ने बताया कि बाइ क चोरों के तार निकटवर्ती धनबाद जिले से जुड़े हैं। धनबाद जिले के मधुबन थाना इलाके के फुलारटांड़ आशा कोठी खटाल का जीजा-साला गिरोह बोकारो शहर से चोरी होने वाले बाइकों का बड़ा खरीदार निकला। गिरोह का मुख्य सरगना पंकज यादव पुलिस के पकड़ से भाग निकला, लेकिन उसका साला संदीप कुमार यादव पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

पुलिस के मुताबिक बीते कई महीनों से पंकज और संदीप ने मिलकर बोकारो से चोरी करीब 48 बाइकें खरीदें। हरेक बाइक उनलोगों ने करीब 7 हजार रुपए में खरीदी। इसके बाद के बाद बाघमारा, मधुबन इलाकों में चोरी के कोयले की ढुलाई करने वाले युवकों को बेच देते थे। दोनों का नेटवर्क इतना मजबूत था कि चोरी की बाइक आशा कोठी खटाल पहुंचते ही, उन्हें खरीदने वाला पहुंच जाता था। वहां बाइक के स्वरूप को भी बदल दिया जाता था, जिसके बाद आराम से उसे लेकर निकल जाते थे। इनका नेटवर्क उन सभी इलाकों में सक्रिय होने की बात भी सामने आई है कि जहां पर चोरी के कोयले की ढुलाई इन दिनों व्यापक पैमाने में बाइक से हो रही है। इस जीजा-साला गिरोह ने बोकारो जिले में काफी युवकों को अपना एजेंट बनाकर रखा है। बाइक चोर गिरोह को दबोचने के लिए हुई छापेमारी में हरला थाना प्रभारी गजेंद्र कुमार पांडेय, सिटी थाना प्रभारी दुलड़ चौड़े, एसआई मिथुन कुमार मंडल, विकास कुमार तिवारी, एसआई रवि कुमार यादव, विकास कुमार, सुमित तिर्की, गौतम आनंद, निर्मल कुमार यादव, उपेंद्र राय, अखिलेश्वर सिंह, रविंद्र कुमार सिंह, दीपक कुमार के अलावा सेक्टर-4 थाना और हरला थाना के पुलिस कर्मी थे।

विषम परिस्थितियां ही जीवन में लाती हैं निखार : गंगवार

संवाददाता

बोकारो : 'मानव-जीवन संघर्षों से भरा हुआ है। विषम परिस्थितियों से लड़कर ही हम दक्ष बन पाते हैं, इसलिए परिस्थितियों के सामने या तो टूट जाओ, बिखर जाओ या निखर जाओ।' ये बातें डीपीएस बोकारो के प्राचार्य एएस गंगवार ने विद्यालय में आयोजित तीनदिवसीय साहित्योत्सव के क्रम में कही। उन्होंने बच्चों को विषम परिस्थियों को सम में बदलने की कला सीखने का संदेश दिया। 'लिटरेरी फेस्ट' के तहत स्कूल में विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार की स्पधाओं में अपनी कुशल बौद्धिक व तार्किक क्षमता का परिचय दिया। 'बोधी- द इनलाइटनमेंट' नामक इस आयोजन के पहले दिन 'मोर इंफॉर्मेशन, मोर कंफ्यूजन' विषय पर अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई, जिसमें चेनाब हाउस की श्रुति सिंह को प्रथम स्थान मिला।

दूसरे दिन 'विषम परिस्थितियां ही हमारा मार्गदर्शन करती हैं' विषय पर हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई। इसमें झेलम सदन की श्रेष्ठा रूपम द्विवेदी प्रथम रहीं। अंतिम दिन शुक्रवार को स्पेलिंग कंपटीशन का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने शब्दों की पहेलियां सुलझाईं और पूछे जाने वाले जटिल अंग्रेजी शब्दों के स्पेलिंग बताए। प्रतियोगिता में गंगा सदन की टीम प्रथम स्थान पर रही। सतलज और चेनाब सदन क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे।

कॉलोनीवासी परेशान, खुदाई के क्रम में कट रहे टेलीफोन व बिजली के तार व जलापूर्ति की पाइप

एसटीपी निर्माण बना परेशानी का सबब

संवाददाता

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी की आवासीय कॉलोनी के आवासों से सीवरेज एवं गंदगीयुक्त पानी की रोकथाम को लेकर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण का कार्य कॉलोनी में किया जा रहा है। 27 करोड़ 45 लाख रुपये की लागत से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण का कार्य की निविदा गुजरात के अहमदाबाद की कंपनी मेसर्स भरत जी पटेल को आवंटित की गई है। काम जरूरी तो है, परंतु इसके निर्माण कार्य के क्रम में लापरवाही और असावधानी के कारण स्थानीय कालोनीवासियों को काफी परेशानी हो रही है। बताया जाता है कि कंपनी के द्वारा कॉलोनी के आवासों को सीवरेज सिस्टम से जोड़ने एवं कम्युनिटी शौचालय निर्माण को लेकर संवेदक द्वारा निर्माण कार्य सब संवेदकों को दिया गया है। एक ओर जहां स्थानीय बोकारो क्लब पूजा मैदान, बोकारो क्लब मैदान के अंदर, वेलफेयर सेंटर, कम्युनिटी सेंटर, मार्केट के समीप हनुमान मंदिर के समीप कम्युनिटी शौचालयों का निर्माण कार्य किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कॉलोनी स्थित आवासों की सीवरेज के लिए पूरी कॉलोनी में जेसीबी से दो मीटर से चार मीटर तक की सतह की खुदाई कर150 मिमी चौड़ी ह्यूम पाइप बिछाई जा रही है। जेसीबी से खुदाई के दौरान सतह के नीचे पूर्व में ही पेयजलापूर्ति की पानी की पाइप, बिजली एवं टेलीफोन का केबुल लापरवाही के कारण कट एवं फट जा रहा है।

पानी की पाइप फटने से कॉलोनी में कामगारों एवं उनके परिवार को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार को गोविंदपुर डी पंचायत होकर मार्केट जानेवाली सड़क को जेसीबी से पूरी तरह खोद दिया गया। जेसीबी से खुदाई के दौरान दो स्थान पर पानी की पाइप को तोड़ दिया गया, जिससे पानी सड़क पर बहने लगा। इसी प्रकार, कार्य के दौरान कामगारों के आवासों के प्रवेश द्वार एवं आसपास काफी मात्रा में मिट्टी जमा कर दिया जा रहा है, जिसके कारण उन्हें एवं उनके वाहनों को आवास से निकलने एवं निकालने में भी कठिनाई हो रही है।

कार्य करनेवाली कंपनी के इंजीनियर एवं सुपरवाइजर का कहना है कि कार्य समाप्ति के समय कामगारों के आवास के प्रवेश द्वार को क्लियर कर दिया जाता है। कार्य को लेकर डी पंचायत से मार्केट जानेवाली सड़क के अलावा थाना से डीवीसी मध्य विद्यालय को जानेवाली कॉलोनी की सड़क को पाइप बिछाने को लेकर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया गया है, जिसके कारण कीचड़ एवं दलदल के कारण उक्त मार्ग पर पैदल एवं वाहन लेकर चलना दुष्कर कार्य हो गया है।

कंपनी के इंजीनियर एवं सुपरवाइजर का कहना था कि काम समाप्ति के बाद क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कर दी जाएगी।

बोकारो के बेरमो में नवरात्रि के आरंभ में होगा निखिल शिष्यों का समागम

फुसरो में 'भगवती दुर्गा सायुज्य त्रिशक्ति साधना शिविर' 26-27 सितंबर को

संवाददाता

बेरमो : अंतरराष्ट्रीय सिद्धाश्रम साधक परिवार (निखिल मंत्र विज्ञान) की ओर से आगामी 26-27 सितंबर को बोकारो जिले के बेरमो अनुमंडल स्थित फुसरो में 'भगवती दुर्गा सायुज्य त्रिशक्ति साधना शिविर' का आयोजन किया जा रहा है। फुसरो के शारदा कॉलोनी स्थित मकोली ग्राउंड में परमहंस स्वामी निखिलेश्वरानंदजी महाराज (डॉ. नारायण दत्त श्रीमाली) एवं वंदनीया माता भगवती की दिव्यतम छत्रछाया में होनेवाले इस शिविर में झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित देश के कोने-कोने से हजारों की संख्या में निखिल शिष्य शामिल होंगे। निकटवर्ती देश नेपाल, भूटान से भी साधकों का आगमन होगा। शिविर में परम पूज्य गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली साधकों को गुरु-दीक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनकी आवश्यकता के अनुसार विभिन्न

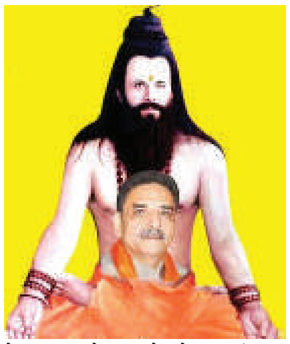

प्रकार की विशेष शक्तिपात दीक्षाएं भी प्रदान करेंगे। जबकि, विशेष रूप से भगवती दुर्गा सायुज्य त्रिशक्ति साधना संपन्न कराई जाएगी। इस आशय की जानकारी देते हुए सिद्धाश्रम साधक परिवार, बोकारो के अध्यक्ष पी एन पांडेय व महासचिव विजय कुमार झा ने बताया कि 26 एवं 27 सितंबर को लगातार दो दिनों तक होने वाले इस शिविर में पूज्य गुरुदेव के सानिध्य में साधकों को भगवती जगदम्बा के तीनों स्वरूपों महाकाली, महालक्ष्मी एवं महासरस्वती की साधनाएं सम्पन्न कराई जाएंगी। साथ ही भजन-कीर्तन और साधनात्मक गतिविधियों से फुसरो कोयलांचल का इलाका नवरात्रि के उत्सवपूर्ण माहौल में निखिलमय बना रहेगा।

परंपरा चास में वर्ष 1986 से होता रहा है आयोजन, संचालन समिति ने शुरू की तैयारी

फिर होगी करम जावा परब महोत्सव की धूम

संवाददाता

बोकारो : चास स्थित आरएम इंटर कॉलेज में झारखण्ड सांस्कृतिक मंच की बैठक केन्द्रीय अध्यक्ष अखिलेश्वर प्रसाद महतो की अध्यक्षता व केन्द्रीय महासचिव राजदेव माहथा के संचालन में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से इस वर्ष धूमधाम के साथ आगामी 11 सितंबर को करम जावा महोत्सव आयोजित करने का निर्णय लिया गया। श्री महतो ने कहा कि 02 जनवरी 1986 से झारखण्डी संस्कृति प्रेमी एवं झारखण्ड आन्दोलनकारी स्व. राजेन्द्र महतो द्वारा झारखण्डी सांस्कृतिक आधारित इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाता रहा है। इस बार भी स्व. राजेन्द्र महतो की स्मृति में आगामी 11 सितम्बर को चास में ही करम-जावा परब महोत्सव आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए एक संचालन समिति भी गठित की गई है। बैठक में मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष हाबुलाल गोराईं, केन्द्रीय कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम कुमार महतो, झारखण्ड आन्दोलनकारी करमचांद गोप, धीरेन्द्रनाथ महतो, मनोज महतो, खगेन्द्र नाथ वर्मा, अखिलेश सिंह, साधन मंडल, बनमाली दत्ता, दिनेश नायक, सुनील महतो, अमिर शेख, बन्धु दास, भुवनचंद्र दास, गणेश दत्ता, नकुल प्रसाद, गोपाल साह, बिरंची चौधरी, मुन्ना महतो, संजय लाल महतो, मनभुल सिंह, चण्डी चरण झा, मोतीलाल गोराईं सहित दर्जनों की संख्या में झारखण्डी संस्कृति प्रेमी एवं अलग राज्य आन्दोलनकारी उपस्थित रहे।

हफ्ते की हलचल

खेलकूद मानसिक व शारीरिक विकास में सहायक : अमरदीप

बोकारो : संत जेवियर्स स्कूल बोकारो के मैदान में फादर केविन ग्रोगन मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। मसी मार्शल स्कूल चरही व संत जोसफ हाई स्कूल तरवा के बीच फाइनल मैच खेला गया। बीएसएल के सीजीएम बीएस पोपली व समाजसेवी कुमार अमरदीप ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ किया। सीजीएम बीएस पोपली ने कहा कि बोकारो को ग्लोबल एक्टिव सिटी का दर्जा दिया गया है। पूरे नगर व आसपास के परिक्षेत्रीय ग्रामीण क्षेत्र में खेलकूद का बेहतर माहौल तैयार किया जा रहा है। नगर के 30 मैदान को क्रीडांगन के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो के अलावा विभिन्न खेलकूद के लिए बेहतर सुविधा व संसाधन उपलब्ध कराया जा रहा है। नगर में मैराथन, योग के अलावा अन्य खेलकूद गतिविधियां संचालित की जाएंगी। समाजसेवी कुमार अमरदीप ने कहा कि खेलकूद विद्यार्थियों के मानसिक व शारीरिक विकास में सहायक है। इसलिए खेलकूद में भाग लेना चाहिए। मसी मार्शल स्कूल चरही के खिलाड़ियों ने शानदार तालमेल का प्रदर्शन करते हुए संत जोसफ हाई स्कूल तरवा को 3-0 गोल से पराजित कर विजेता का गौरव हासिल किया। अंत में सीजीएम बीएसएल पोपली व समाजसेवी कुमार अमरदीप ने विजेता व उप विजेता टीम के खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया।

गोस्वामी तुलसीदास की रचनाओं में समाज का जीवंत चित्रण : सदय

बोकारो : भारती साहित्य परिषद द्वारा सेक्टर 5 स्थित विहंगम योग संस्थान में तुलसी जयंती मनाई गयी। इस अवसर पर काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत उदय प्रताप सिंह व उपस्थित कवियों द्वारा गोस्वामी तुलसीदास के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन से हुई। साहित्यकार डॉ नरनारायण तिवारी ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने मानस में अद्भुत प्रकृति चित्रण किया है। सुखनंदन सिंह सदय ने कहा कि तुलसीदास जी ने अपनी रचनाओं में व्यापक रूप से समाज की समस्याओं पर चर्चा की है। शिव कुमार सिंह की अध्यक्षता व डॉ नरनारायण तिवारी के संचालन में आयोजित काव्य गोष्ठी की शुरुआत महेश शर्मा मेहंदी के काव्य पाठ से हुई। उन्होंने 'अधरों पर मुस्कान हो कैसे.. ', डॉ परमेश्वर भारती ने 'उठो पहरुए देश बुलाता... ' कविता सुनाई। डॉ रंजना श्रीवास्तव, पूर्णेन्दु सिंह, डॉ राम नारायण सिंह, ललन तिवारी, ओमराज, दिनेश सिंह, सुख नंदन सिंह ने भी अपनी रचनाएं सुनाईं।

चिन्मय विद्यालय में खेल दिवस मनाया गया

बोकारो : स्थानीय चिन्मय विद्यालय में शनिवार को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती (29 अगस्त) के उपलक्ष्य में खेल दिवस का आयोजन किया गया। विद्यालय के विशेष प्रार्थना सभागार में इस अवसर पर कक्षा प्रथम एवं द्वितीय के विद्यार्थी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के वेश में नजर आए। खेल के जोशीले गानों पर उन्होंने आकर्षक नृत्य भी किए। छोटे-छोटे बच्चों ने खेल के प्रति अपनी भावनाओं को प्रदर्शित करते हुए कबड्डी, क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, हॉकी, बैडमिंटन, नेटबॉल, टेनिस, स्नूकर कराटे, एथेलेटिक्स, जूडो एवं अन्य खेलों के खिलाड़ी बनकर एवं उनके प्रसिद्ध टीशर्ट व जर्सी पहनकर जमकर इस मौके पर आनंद लिया। विद्यालय प्रबंधन की ओर से अध्यक्ष बिश्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा ने सभी बच्चों एवं शिक्षकों को राष्ट्रीय खेल दिवस की शुभकामनाएं दीं। कहा कि आने वाली पीढ़ी के मन मे खेल एवं शारीरिक शिक्षा के प्रति जागरूकता जरूरी है।

अग्रवाल कल्याण महासभा ने किया ढोरी जीएम का स्वागत

बोकारो : कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी से ढोरी एरिया के महाप्रबंधक मनोज कुमार अग्रवाल को नई दिल्ली में कोल इंडिया के वार्षिक कोल मिनिस्ट्री अवार्ड से नवाजा गया। गौरतलब है कि कोल इंडिया की विभिन्न कंपनियों के मझोले क्षेत्र की श्रेणी में सीसीएल ढोरी एरिया का स्थान रहा है। कोयला मंत्री के द्वारा पुरस्कार के रूप मे ढोरी महाप्रबंधक को 5 लाख नकद के साथ सम्मानित किया गया। इसकी सूचना मिलते ही बेरमो ढोरी क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। वहीं, अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल संस्था के सदस्यों के साथ उनके कार्यालय में जाकर उन्हें साल और बुके देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि श्री अग्रवाल ने कोयला क्षेत्र के साथ साथ पूरे समाज का मान बढ़ाया है। मौके पर संस्था के कृष्ण कुमार चांडक, सुशांत रायका, विनोद गोयल आदि मौजूद रहे।

मुखिया को उनकी जिम्मेदारियों का अहसास करा रहा राज्य खाद्य आयोग

जनसंवाद... चेयरमैन हिमांशु शेखर चौधरी ने कहा- समाज की मजबूती के बिना राज्य नहीं होगा मजबूत

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : 'मुखिया समाज की नींव हैं, जब तक समाज मजबूत नहीं होगा, तब तक कोई राज्य मजबूत नहीं हो सकता। राज्य सरकार योजनाओं, प्रावधानों को लागू कर सकता है, उसका अनुपालन, लाभुकों तक उसकी पहुंच को सुनिश्चित करना पदाधिकारियों एवं कर्मियों का दायित्व है। मुखिया व पंचायत के अन्य जनप्रतिनिधि केवल शिकायत करने वाले नहीं रहें, शिकायत का समाधान करने वाले बन गए हैं। मुखियाओं को इस सोच के साथ काम करना होगा। तभी पंचायत का स्तर बढ़ेगा। कोई भी इमारत तभी मजबूत हो सकती है, जब उसकी नींव मजबूत होगी।' यह कहना है झारखंड राज्य खाद्य आयोग के चेयरमैन हिमांशु शेखर चौधरी का। श्री चौधरी इन दिनों बोकारो सहित आसपास के जिलों में गांव के जनप्रतिनिधियों को उनकी जिम्मेदारियों का अहसास कराते हुए उनसे समाज व राज्य के विकास में सक्रिय सहभागिता की अपील कर रहे हैं। इसी कड़ी में बीते हफ्ते बोकारो के सेक्टर- 6 स्थित सिटी कॉलेज के सभागार में चास अनुमंडल क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों के मुखियाओं के साथ जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने ये बातें कहीं। उन्होंने समाज व राज्य के विकास में उनकी क्या भूमिका है, इसके संबंध में उन्हें विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने वन राशन, वन कार्ड योजना के संबंध में भी बताया। कहा कि ई-मेल,वाट्सएप और फोन आदि के माध्यमों से शिकायत सीधे आयोग को भी कर सकते हैं। सभी शिकायतों पर प्राथमिकता के तहत आयोग समीक्षा कर कार्रवाई करेगा।

बगैर राशन कार्ड के भी मिल सकता है राशन

चेयरमैन ने कहा कि सभी पंचायत को आकस्मिक निधि उपलब्ध कराया गया है, जिसे मुखिया खर्च कर सकते हैं, अगर किसी के पास राशन कार्ड नहीं है, तो मुखिया उसे आकस्मिक निधि से खाद्यान्न उपलब्ध कराएं, जब तक कि उनका राशन कार्ड नहीं बन जाता है। उन्होंने पदाधिकारियों को विभाग की ओर से संचालित सभी योजनाओं का होर्डिंग, बैनर, वाल पेंटिंग, प्रचार-प्रसार पंचायतों,गांवों में कराने को कहा।

खाद्य सुरक्षा अधिनियम की मंशा सभी का पेट भरना है : शबनम

झारखंड राज्य खाद्य आयोग की सदस्य शबनम परवीन ने कहा कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम योजना लागू करने के पीछे सरकार की मंशा सभी का पेट भरना है,अनाज के अभाव में कोई भूखा नहीं रहे। आज इस अधिनियम से करोड़ों जरूरतमंद लोगों को भर पेट भोजन मिल रहा है। वहीं चेयरमैन व सदस्य

संवाद और जनसुनवाई अनोखी पहल : एसडीओ

मौके पर चास एसडीओ दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि झारखंड राज्य खाद्य आयोग की संवाद और जनसुनवाई की अनोखी पहल है, इसका उद्देश्य योजना का लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगों को प्राप्त कराना है और शिकायतों का त्वरित निष्पादन करना है। मौके पर सिविल सर्जन डा.ए बी प्रसाद ने कुपोषण उपचार केंद्रों में उपलब्ध कराएं जा रहे पोषाहार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सत्यबाला सिन्हा ने आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषाहार वितरण, जिला शिक्षा अधीक्षक नूर आलम ने मध्याह्न भोजन से संबंधित, प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी वीरेंद्र पाठक ने विभाग अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत संचालित सभी योजनाओं व अन्य योजनाओं की जानकारी दी। मौके पर अन्य कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। इसके पूर्व बेरमो (तेनुघाट) अनुमंडल क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों के मुखियाओं के साथ भी आयोग सदस्य ने संवाद किया।

शबनम परवीन ने विभिन्न पंचायतों के मुखिया से संवाद किया। उनकी बातें सुनी और उसका जवाब दिया।

धरा सकते हैं लालू के लाल

रेलवे में नौकरी के बदले जमीन घोटाले के मामले ने तूल पकड़ा, मिले अहम सबूत

विशेष संवाददाता

पटना : झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की विधायकी खतरे में होने के बाद अब बिहार में भी सियासी तापमान बढ़ गया है। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। रेलवे में नौकरी दिलाने के बदले जमीन घोटाले का मामला एक बार फिर तूल पकड़ चुका है। सीबीआई के हाथ जो हार्ड डिस्क लगा है, उसमें कई अहम सबूत मिले हैं। यह मामला यूपीए-1 सरकार में लालू प्रसाद यादव के रेल मंत्री के कार्यकाल के दौरान का है। आरोप है कि लालू प्रसाद के रेल मंत्री रहते हुए कई लोगों को रेलवे में नौकरी दी गई, जिन लोगों को नौकरी मिली, उनसे बदले में लालू प्रसाद के परिवार को जमीन मिली। खबरों के अनुसार सीबीआई के हाथ एक हार्ड डिस्क लगा है, उसमें नौकरी के बदले जमीन देने वाले लोगों की पूरी लिस्ट है। सूत्रों के अनुसार यह सूची लालू प्रसाद के बेटे और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने तैयार की थी, जो पिछले महीने छापेमारी के दौरान सीबीआई ने बरामद की थी। इस सूची में 1 हजार 458 लोगों के नाम हैं, जिन्होंने कथित तौर पर रेलवे में अपनी नौकरी के

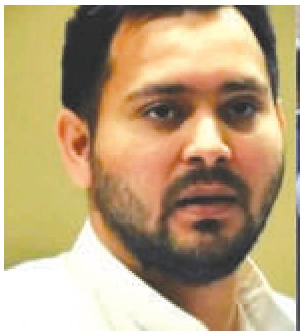

बदले लालू यादव के परिवार को जमीन दी थी।

सूत्रों ने बताया कि दोस्तों और परिवार के नाम पर जमीन लेने के बाद जमीन की चकबंदी भी की गई। इन 1,458 लोगों में से लगभग 16 लोग पहले ही सत्यापित हो चुके हैं। सीबीआई जांच में भी इसे सही पाया गया है। उम्मीद की जा रही है कि सीबीआई इस मामले में रेलवे मंत्रालय को उन उम्मीदवारों के बारे जानकारी मांगने के लिए पत्र लिखेगी, जिन्हें एक गवाह के अनुसार गलत डेटा और प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी दी गई थी। इस मामले में सीबीआई पहले ही लालू यादव के करीबी भोला यादव को गिरफ्तार कर चुकी है। बताया जा रहा है कि बुधवार को बिहार से लेकर गुरुग्राम तक जो भी छापेमारी की है, वह भोला यादव के इनपुट पर ही की गई है। सीबीआई ने जहां भी छापेमारी की है, उनमें अधिकांश लालू के अत्यंत करीबी और पूंजीपति लोग बताए जा रहे हैं। सूत्रों का मानना है कि भोला यादव ने पूछताछ के दौरान ऐसे राज सीबीआई को बताए हैं, जिससे सीबीआई अब तक अनभिज्ञ थी। भोला यादव को सीबीआई ने जुलाई महीने में गिरफ्तार किया था। राजद के कई नेता अभी भी सीबीआई के रडार पर हैं। आरोप है कि लालू प्रसाद 2004 से 2009 तक जब रेल मंत्री थे। तब ग्रुप डी में नौकरी देने के नाम पर कई लोगों से संपत्ति अपने नाम करवाकर आर्थिक लाभ लिया है।

मुखियाजी चोर हैं!... बिजली के खंभे कटवा पहले से बने पुल को बता दिया नया, एफआईआर

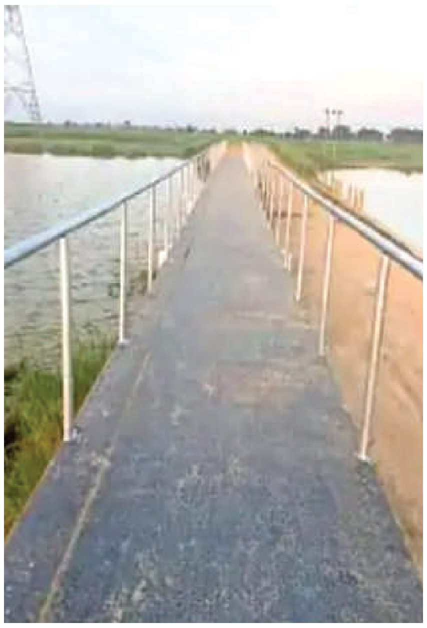

दरभंगा : विकास के लिए ग्रामीण स्तर के प्रतिनिधियों की ईमानदारी भी जरूरी है, परंतु ऐसा विरले ही देखने को मिलता है। इसी कड़ी में दरभंगा जिले के कलिगांव पंचायत के मुखिया महेश झा पर जो-जो आरोप सामने आए हैं, वह अपने-आप में चौंकाने वाले हैं। मुखियाजी ने बिजली विभाग के खंभों को बगैर अनुमति चोरी से पहले कटवा लिया और जो पुल पहले से बना था, उसे नया जैसा बना दिया। इस मामले में उनके खिलाफ सनहपुर पावर सबस्टेशन के कनीय अभियंता देवेंद्र प्रसाद ने सिंहवाड़ा थाने में सरकारी संपत्ति की चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई है। जेई का आरोप है कि बिजली के 18 लोहे के पोल को बिना विभाग की अनुमति के चोरी से काटकर अवैध रूप से पुल का निर्माण किया गया है, जिसकी शिकायत ग्रामीण सुनील राम एवं अन्य लोगों ने की थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त शिकायत के आलोक में विद्युत आपूर्ति प्रमंडल दरभंगा ग्रामीण के कार्यपालक अभियंता ने जांच दल का गठन किया था। इसमें शामिल सहायक विद्युत अभियंता परियोजना मो ओजैर आलम, सहायक विद्युत अभियंता विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल दरभंगा ग्रामीण राजेश कुमार सिंह व कमतौल पीएसएस के जेई सूरज कुमार ने चार अगस्त को मामले की जांच की थी। इसमें कलिगांव चौक से चमनपुर जाने वाली प्रधानमंत्री सड़क पर पूर्व से निर्मित कॉजवे पुल के ऊपर मुखिया के द्वारा विभाग को सूचना दिए बिना बिजली के लोहे के पोल को काटकर पुल का निर्माण किया गया है, जिससे विभाग को छह लाख 33 हजार 295 रुपए की आर्थिक क्षति हुई है। खबर है कि जेई ने मुखिया द्वारा पुल निर्माण के कबूलनामे की वीडियो भी सीडी बनाकर पुलिस को उपलब्ध कराई है। थानाध्यक्ष मनीष कुमार का कहना है कि जेई के आवेदन के आलोक में प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है।

मालूम हो कि प्रधानमंत्री सड़क पर पूर्व से कॉजवे पुल निर्मित था। बताया जाता है कि उक्त प्रधानमंत्री सड़क पर मुखिया ने बिजली के लोहा के पोल को कटवाकर ईंट की सहायता से पुल का निर्माण कराया है। पंचायतों में होने वाली साप्ताहिक जांच में 20 जुलाई को डीएम राजीव रौशन कलिगांव पहुंचे थे। इस दौरान पुल के निरीक्षण में उन्होंने पीएमजीएसवाई सड़क एवं वर्तमान में आरईओ की प्रस्तावित सड़क पर पुल निर्माण से पूर्व विभागीय अनुमति की बात मुखिया से पूछी थी।

मिथिला डायरी

31 अगस्त : गणेश चतुर्थी पर विशेष

ऋद्धि-सिद्धि और शुभ-लाभ के प्रदाता भगवान गणपति

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली -

प्रत्येक मनुष्य की यह प्रथम इच्छा होती है कि उसके कार्य बिना किसी बाधा के निर्विघ्न संपन्न हो तथा उसे उसके कार्यों का शुभ तथा उचित लाभ या फल भी प्राप्त हो। यह सभी संभव है जब प्रथम पूज्य भगवान गणपति आप पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखें, क्योंकि भगवान गणपति ही ऋद्धि-सिद्धि और शुभ-लाभ के प्रदाता हैं। भगवान गणपति अपने पूर्ण स्वरूप में साधक के जीवन में स्थापित होकर उसके 'भाग्य के दोषों' का समापन करते हैं, जिससे उसकी उन्नति के मार्ग में आनेवाली बाधाएं स्वतः ही समाप्त हो जाती हैं।

प्रत्येक मनुष्य की कोई न कोई कामना होती है। जिनको क्लेश है, वे क्लेश का नाश चाहते हैं, जिन्हें धन का अभाव है वे ऐश्वर्य और भोग चाहते हैं। अपनी कामना पूर्ण करने के लिए एक ही उपाय है- भगवान गणपति की उपासना।

अनंतकोटि- ब्रह्मांड नायक, परात्पर, पूर्णतम, परब्रह्म, परमात्मा ही 'गणनाथ' एवं 'विनायक' कहे गए हैं। सृष्टि निर्माण में आसुरी शक्तियों द्वारा जो विघ्न बाधाएं उत्पन्न की गईं, उनका निवारण करने के लिए सृष्टि के प्रारंभ से ही भगवान गणपति ब्रह्माजी के कार्य में सहायक बने।

गणेश सनातन एवं आदिदव हैं। पौराणिक युग के गणपति वैदिक काल के ब्रह्मणस्पति हैं। गणेश स्वास्तिक रूप में भी प्रसिद्ध हैं। वामावर्त स्वास्तिक में चारों ओर गणपति का बीज मंत्र 'गं' विराजमान है। दक्षिणावर्त स्वास्तिक में वही बीज मंत्र 'गं' विद्यमान है। आकाश में 'ख' स्वास्तविक है।

स्वस्ति न इन्द्रो वृद्धश्रवाः स्वस्ति न पूषा विश्ववेदाः
स्वस्ति नस्ताक्षर्यो अरिष्ट नेमि स्वस्ति नो बृहस्पतिर्दयात्

ये चारों देवता आकाश में तारे के रूप में विद्यमान हैं- इन्द्र, पूषा, ताक्ष्र्य साक्षर एवं बृहस्पति। इस मंत्र में चार बार स्वस्ति शब्द चार दिशाओं में कल्याण का प्रतीक है, क्योंकि गणपति सर्वप्रकार के विघ्नहर्ता हैं ऊँकार से लेकर स्वस्ति तक गणपति हैं। गणपति का पूजन परम ब्रह्म का पूजन है।

ऋग्वेद-यजुर्वेद आदि के 'गणानां त्वां' इत्यादि मंत्रों में गणपति का सुस्पष्ट उल्लेख मिलता है। कथा है, किसी शुभ मुहूर्त में वाचक्नवि ने अपने पुत्र गृत्समद को गणानां त्वां इत्यादि ऋग्वेद के वैदिक मंत्र का उपदेश दिया एवं कहा कि यह मंत्र सर्वसिद्धि प्रदाता है। इस मंत्र का जप करने से सब कुछ मिल जाएगा। अनादिकाल से ही वैदिक एवं पौराणिक मंत्रों द्वारा भगवान गणपति की पूजा होती चली आ रही है।

श्री गणेश जिस प्रकार ऋद्धि-सिद्धि-बुद्धि के दाता हैं, उसी प्रकार ये अपने अद्भुत रूप-सौंदर्य पूर्ण विग्रह के दर्शनों से अनंत सुख-समृद्धि के प्रदाता हैं। बुद्धि-वैभव के तो ये सर्वोत्मुख भंडार हैं, तभी तो वेदव्यास-प्रणीत महाभारत जैसे विशाल ग्रंथ के लेखन का कार्य इन्होंने ही पूर्ण किया।

गणपति हमारे प्रथम पूज्य देव हैं। कार्यों में ऋद्धि-सिद्धि, सफलता और विघ्नों का नाश करने वाले बुद्धिप्रदाता भगवान गणपति ही हैं। गणेश का सिर हाथी का है, जो बुद्धिमता का प्रतीक है। उनके सिर पर सुशोभित होता चंद्रमा शांति का प्रतीक है। विशाल नेत्र विशालता का स्वरूप है। बड़े-बड़े कान श्रवण शक्ति का प्रतीक है। लंबी नाक सम्मान एवं प्रतिष्ठा का प्रतीक है। पेट पर उत्त्कीर्ण सर्व एवं ऊँ का चिन्ह शांति का प्रतीक है।

गणपति अर्थात् गणों का स्वामी। मानव शरीर में पांच कर्मेंद्रियों, पांच ज्ञानेंद्रियों और अंतःकरण द्वारा संचालित होता है और इनके संचालित होने के पीछे जो शक्ति है, वह विभिन्न 14 देवताओं की शक्ति है, जिनके प्रेरणास्त्रोत हैं भगवान गणपति।

गाणपत्यर्थवशीर्ष नामक ग्रंथ के अनुसार- श्री गणेश का प्रधान देव के रूप में पूजित होने का मुख्य कारण है शब्द ब्रह्म 'ऊँ' का प्रतीक होना। जिस प्रकार किसी भी श्लोक या मंत्र के उच्चारण के पूर्व 'ऊँ' का गुंजरण अनिवार्य है, उसी प्रकार भगवान गणपति का प्रथमतः पूजन होना अनिवार्य है।

गणपति साधक के लिए कल्पवृक्ष के समान फलप्रदायक हैं, उनकी साधना करने वाले साधक को समस्त भौतिक सुख-संपत्ति, समस्त नौ निधियां प्राप्त होती हैं। गणपति विद्या के आधार हैं, अतः वे अपने साधक को कुशाग्र बुद्धि प्रदान करते हैं और इसके साथ ही साथ ओंकारवत् होने के कारण अपने साधक को आध्यात्मिक रूप से भी परिपूर्ण करते हैं।

प्रतिभा और ज्ञान की भी एक सीमा अवश्य होती है। व्यक्ति अपने प्रयत्नों से किसी भी कार्य को श्रेष्ठतम रूप से पूर्ण करते हुए उज्जवल पक्ष की ओर विचार करता है, लेकिन उसकी बुद्धि एक सीमा के आगे नहीं दौड़ पाती है। बाधाएं उसकी बुद्धि एवं कार्य के विकास को रोक देती हैं और यही मूल कारण है कि हमारे शास्त्रों में पूजा, साधना, उपासना को विशेष महत्व दिया गया है।

सृष्टि की उत्पत्ति, स्थिति और पूर्णता ब्रह्मा, विष्णु और महेश द्वारा संपादित की जाती है, लेकिन सृष्टि की उत्पत्ति के साथ ही यह व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रहे और विघ्न न आए- यह भी गणेश के ही जिम्मे है। विघ्नकर्ता और विघ्नहर्ता दोनों ही गणेश हैं। आसुरी प्रकृति के दुष्टों के लिए गणेश विघ्नकर्ता हैं, तो उनकी पूजा-उपासना करने वाले भक्तों के लिए विघ्नहर्ता और ऋद्धि-सिद्धि के प्रदाता हैं, इसीलिए श्री गणेश को सर्वविघ्नैहरण, सर्वकामनाफलप्रद, अनन्तानन्तसुखद और सुमंगलमंगल कहा गया है।

गणेश का स्वरूप शक्ति और शिव तत्व का साकार स्वरूप है और इन दोनों तत्वों का सुखद स्वरूप ही किसी कार्य में पूर्णता ला सकता है। गणेश शब्द की व्याख्या अत्यंत महत्वपूर्ण है। गणेश का 'गं' मन के द्वारा, बुद्धि के द्वारा ग्रहण करने योग्य, वर्णन करने योग्य संपूर्ण भौतिक जगत को स्पष्ट करता है और 'ण' मन, बुद्धि और वाणी से परे ब्रह्म विद्या स्वरूप परमात्मा को स्पष्ट करता है और इन दोनों के ईश अर्थात स्वामी गणेश कहे गए हैं।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) - स्वास्थ्य अच्छा होगा। अग्नि आदि तथा दुष्ट लोगों से हानि । वाणी पर संयम रखें। कार्यों के सफलता में विलम्ब। रोजगार के योग बनेंगे।

वृष (ई उ ए ओ वा वी वू वे वो) - स्वास्थ्य में सुधार होंगे। मानसिक पीड़ा से गुजरना पड़ सकता है। रोजगार सम्बन्धी कार्यों में सफलता के योग बनेंगे। कार्यों की सफलता में देर होगी। दाम्पत्य जीवन में थोड़ी कड़वाहट हो सकती है।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) - स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें। नेत्र सम्बन्धी समस्या हो सकती है। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के योग बनेंगे। रोजगार में सफल होंगे। सम्पति के मामले में सतर्क रहें। शत्रुओं पर विजय।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) - स्वास्थ्य में सुधार होंगे। माता के स्वास्थ्य सुधरेंगे। स्त्री से सम्बन्ध सुधरेंगे। धनागम के योग बनेंगे। घर में आनन्द एवं सुखमय का माहौल बनेगा। शत्रुओं पर विजय।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) - स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। वाणी पर संयम रखें। मन प्रसन्न रहेगा। शत्रुओं पर विजय होगी। भोजन और नींद में बाधाएं उत्पनन हो सकती है। मन में चंचलता रहेगी। समाजिक प्रतिष्ठा में ठेस लग सकती है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) - मानसिक असंतोष होगा। कुटुम्बों से बात बिगड़ सकती है है। सप्ताह के मध्य तक स्वास्थ्य में सुधार होंगे। शत्रुओं पर आसानी से विजय प्राप्त होगी। मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) - स्वास्थ्य में सुधार होंगे। धन की प्राप्ति के योग बनेंगे। सुख-आनन्द की प्राप्ति हो सकते हैं। उत्तम भोजन, वस्त्र और शय्या सुख की प्राप्ति होगी। गलत लोगों से दूरी बनाकर रखें।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) - सुख-आनन्द का अनुभव करेंगे। रोग मुक्त होंगे। स्वजनों से मनमुटाव होंगे। वाणी पर संयम रखें। शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगा। सप्ताहांत में थोड़ी मानसिक चिंता बढ़ सकती है।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) - स्वास्थ्य पर ध्यान दें। चोरी आदि का भय हो सकता है। मानसिक महत्वकांक्षा की ओर अग्रसर होंगे। तरल पदार्थों से आय में वृद्धि हो सकती है। स्त्री-सुख मिलेगा।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) - स्वास्थ्य अच्छा होगा। सभी कार्यों में सफलता मिल सकती है। उच्चाधिकारी प्रसन्न होंगे। मित्रों से सहायता मिलेगी। पदोन्नति होगी। व्यय अधिक हो सकते हैं।

कुम्भ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) - स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पेट सम्बन्धी समस्या हो सकती है। शत्रु परेशान करेंगे। व्यवसाय में हानि हो सकती है। सप्ताह के मध्य में धन एवं सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मीन (दी दू थ झ दे दो चा ची) - स्वास्थ्य पर ध्यान दें। मन में एक उत्साह हो सकती है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शत्रुओं पर विजय होगी। पारिवारिक सौहार्द में बढ़ोतरी होगी।

अधिक जानकारी के लिए
संपर्क करें- 7808820251

खाद्य सुरक्षा- कल्याण के साथ प्रतिस्पर्धा का मेल

पीयूष गोयल

लगभग 80 करोड़ भारतीयों को पूरे देश में किसी भी उचित मूल्य की दुकान से भारी सब्सिडी वाले अनाज खरीदने की स्वतंत्रता है। यह सुविधा लोगों को खाद्य सुरक्षा देने के साथ अभूतपूर्व रूप से सशक्त भी बना रही है और ऐसा लगता है कि देश भर में एक मूक क्रांति चल रही है। यह मोदी सरकार के कल्याण और गरीब-समर्थक दृष्टिकोण को एक नई ऊंचाई पर ले जाती है और ऐसी प्रक्रियाओं की शुरुआत करती है, जिनका पूरे देश पर परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ेगा, जो बहुत से लोगों की परिकल्पना से भी अधिक होगा।

उच्च प्रभाव वाली कल्याणकारी योजना नहीं है, जो वंचितों का समर्थन और पोषण करती है, बल्कि यह उचित मूल्य की दुकानों के बीच प्रतिस्पर्धा को भी जन्म देती है और एक आर्थिक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करती है। अब प्रवासी शहरों में भी भारी सब्सिडी वाले अनाज खरीदने में सक्षम हैं और इस बचत का उपयोग अन्य उत्पादों की खरीद में कर सकते हैं।

भारत में, किसी खास सीजन के दौरान लगभग छह करोड़ लोग दूसरे राज्यों में और लगभग आठ करोड़ लोग अपने ही राज्य के अन्य हिस्सों में प्रवास करते हैं। ओएनओआरसी ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों में प्रवासी श्रमिकों के लिए एक गेम चेंजर सिद्ध हुआ है। इससे पहले, जब ऐसे श्रमिक रोजगार के लिए शहरों में जाते थे, तो वे सब्सिडी अनाज पाने की अपनी पात्रता खो देते थे, क्योंकि उनकी यह सुविधा अपने निवास-स्थान के उचित मूल्य की दुकान से जुड़ी होती थी। यदि वे किसी शहर में उचित मूल्य की दुकान पर पंजीकृत होंगे, तो उनके परिवार को बाजार की ऊंची दरों पर अनाज खरीदना पड़ेगा!

ओएनओआरसी के साथ, श्रमिक और उनके परिवार दोनों को आसानी से लाभ मिल सकता है। उनकी बचत बहुत अधिक है, क्योंकि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत भारी सब्सिडी वाले अनाज के अलावा, उन्हें प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत आपूर्ति भी निःशुल्क दी जा रही है। चूंकि यह योजना भारतीय श्रमिकों को आत्मनिर्भर बना रही है, इसलिए इसे अब आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत प्रधानमंत्री के प्रौद्योगिकी संचालित प्रणालीगत सुधारों का भी हिस्सा बनाया गया है।

इस योजना के अन्य दूरगामी प्रभाव भी हैं। दशकों तक पड़ोस की राशन की दुकान का एकाधिकार रहा था। लाभार्थियों के पास एक विशेष उचित मूल्य की दुकान पर जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। दुकान के मालिकों का एकछत्र राज होता था और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए कोई प्रोत्साहन भी मौजूद नहीं था।

ओएनओआरसी, न केवल प्रवासियों को, बल्कि प्रत्येक लाभार्थी को, किसी अन्य उचित मूल्य की दुकान से अनाज खरीदने का विकल्प देता है, यदि वह दुकानदार बेहतर गुणवत्ता वाले अनाज बेच रहा है, या बेहतर सेवा प्रदान कर रहा है। एक विक्रेता की देश के सभी राज्यों में स्थित कुल 5 लाख से अधिक दुकानों से प्रतिस्पर्धा है। यह एक ऐतिहासिक बदलाव है, क्योंकि यह दुकानदारों को गुणवत्ता के प्रति जागरूक होने और प्रतिस्पर्धी बनने के लिए प्रेरित करता है।

लाखों उचित मूल्य की दुकानों में प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने से, देश के कारोबारी माहौल में समग्र रूप से सुधार होगा, जिससे देशवासियों को वस्तुओं और सेवाओं की बेहतर गुणवत्ता प्राप्त होगी। व्यापार करने के तरीकों में इस तरह के बदलाव से छोटे व्यवसायों को तेजी से विकास करने का मौका मिलेगा, लेकिन इसके लिए उन्हें गुणवत्ता में सुधार और निर्यात बाजार में प्रवेश करने की भी आवश्यकता होगी। इससे बड़ी संख्या में रोजगार के अवसरों का भी सृजन होगा।

एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड (ओएनओआरसी) ने पहले ही बहुत मजबूत शुरूआत कर दी है। शहरी गरीब जैसे कूड़ा बीनने वाले, सड़क पर रहने वाले, संगठित और असंगठित क्षेत्रों के अस्थायी कर्मचारी समेत करोड़ों श्रमिक व दिहाड़ी मजदूर तथा घरेलू कामगार इस अग्रणी योजना का लाभ उठा रहे हैं। अगस्त, 2019 में इस योजना की शुरुआत के बाद से मूल स्थान की बजाय अन्य स्थानों पर (पोर्टेबिलिटी) हुए लगभग 80 करोड़ लेनदेन दर्ज किए गए हैं। इनमें लाभार्थियों को नियमित होने वाले एनएफएसए

और पीएमजीकेएवाई खाद्यान्न वितरण के साथ राज्य के अन्य हिस्सों में और दूसरे राज्यों के हुए लेनदेन दोनों शामिल हैं। इनमें अप्रैल 2020 के बाद से कोविड अवधि के दौरान दर्ज किये गए 69 करोड़ लेनदेन भी शामिल हैं।

डिजिटल इंडिया पर प्रधानमंत्री के जोर ने देश के क्षमता-विकास में योगदान दिया है। प्रौद्योगिकी की सहायता से महामारी की चरम स्थिति के दौरान देश न केवल घर से काम करने (वर्क-फ्रॉम-होम) के नियमों को सहजता से अपनाने में सफल रहा, बल्कि इससे गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन कराने में भी मदद मिली। वर्तमान में 100 प्रतिशत राशन कार्ड डिजिटल हो गए हैं। इसके अलावा, उचित मूल्य की दुकानों में लगभग 5.3 लाख (99%) से अधिक इलेक्ट्रॉनिक प्वाइंट ऑफ सेल उपकरण स्थापित किए गए हैं।

सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त प्रयास किये हैं, ताकि सभी पात्र लाभार्थी योजना का लाभ उठा पाएं। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत अधिक लाभार्थियों को शामिल करने के उद्देश्य से 11 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लिए प्रायोगिक आधार पर एक 'सामान्य पंजीकरण सुविधा' शुरू की है। इसके अलावा, विभिन्न मंत्रालयों और विभागों ने इस योजना के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए रणनीतिक आउटरीच और संचार से जुड़े अपने प्रयासों को समन्वित किया है। सरकार ने 167 एफएम रेडियो और 91 सामुदायिक रेडियो स्टेशनों का उपयोग करके हिंदी और 10 अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में एक रेडियो-आधारित अभियान चलाया। ट्रेनों में यात्रा करने वाले प्रवासी कामगारों को प्रधानमंत्री का संदेश देने के लिए 2400 रेलवे स्टेशनों पर घोषणाओं और प्रदर्शनों की व्यवस्था की गई। संदेश के व्यापक प्रसार के लिए सार्वजनिक बसों का भी उपयोग किया गया।

यह योजना नरेन्द्र मोदी सरकार के मूल दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती है। सार्वजनिक नीति इस तरह से तैयार की जाती है कि यह समाज के सबसे गरीब और वंचित समुदायों को लाभान्वित करे। यह दर्शन ही इस सरकार के आठ परिवर्तनकारी वर्षों के दौरान सभी नीतियों और उपलब्धियों की मूल भावना रहा है। शासन के इस दर्शन और दृष्टिकोण ने ही गरीब लोगों को बैंक खाते, सीधे नकद अंतरण, स्वास्थ्य बीमा, हर गांव में बिजली, दूरदराज के इलाकों में भी अच्छी गुणवत्ता वाली ग्रामीण सड़कों और गरीबों को रसोई गैस की आपूर्ति सहित अन्य सुविधाएं दी हैं। आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर, भारत तेजी से सभी के लिए विकल्पों की अधिक स्वतंत्रता की ओर आगे बढ़ रहा है। आइए हम उत्सव मनाएं और इस विकल्प सुविधा को सक्षम बनाएं।

(लेखक वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री हैं।)

प्यार तो होना ही था!

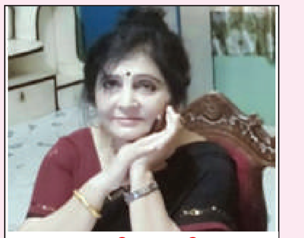

सच्ची कहानी

- डॉ. सविता मिश्रा मागधी, बेंगलुरू

मुम्बई के एयरपोर्ट पर चेकिंग वाले हैरान थे, नूपुर के लैगेज को देखकर। नीले रंग के हाल्टरनेक में उसका गौर वर्ण कुंदन की आभा बिखेर रहा था। अधरों पर फराटेदार अंग्रेजी। इस अनुपम सौन्दर्य के आगे करीना और कैटरीना भी मात खा रही थी। नूपुर के हैंडबैग में मेक-अप का सामान न होकर कटहल, बैंगन, तरोई आदि सब्जियां भरी थीं। उन्हें लगा इन सब्जियों की आड़ में मादक वस्तुओं की तस्करी तो नहीं कर रही यह लड़की! बहुत छानबीन के बाद भी सब्जियां, सब्जियां ही निकलीं। एक चेकिंग वाले से रहा न गया और वह पूछ बैठा, 'मैडम क्या बेंगलुरू में सब्जियां नहीं मिलतीं जो आप मुम्बई से ले जा रही हैं?'

'मिलती हैं, जरूर मिलती हैं, पर इतनी ताजी सब्जियां नहीं मिलती जितनी मुम्बई में। आपको पता नहीं, मायके की सब्जियों में ज्यादा स्वाद होता है। दूसरी बात, मेरे मधुकरजी को कटहल बहुत पसंद है। आप मेरे हाथ का बना कटहल खाएंगे तो उंगलियां चाटते रह जायेंगे।'

'आप भोजन भी पकाती हैं!' आश्चर्य से उसने अपनी आंखें चौड़ी कीं। 'आपको देखकर लगता नहीं कि आप किचन में भी जाती होंगी।'

'भले हम हवाई जहाज में सफर करें, आधुनिक कपड़े पहने, पर शादी के बाद हम महिलाओं को बस किचन ही दिखाई पड़ता है।'

एक हजार का फाइन भर नूपुर फ्लाइट में आई। चार वर्षीय धात्री विंडो सीट पर कब्जा जमाने में देर न की। बच्चों के आगे किस मां की चलती है। मुस्कुराते हुए हैण्डबैग को केबिन में सेट कर ही रही थी कि उसकी नजर अपने पीछे खड़े राज पर पड़ी।

संयोग से साइड वाली सीट उसी की थी। बेंगलुरू में ऑफिस टूर था उसका। दस साल बाद दोनों एक-दूसरे को देख रहे थे। नूपुर का फर्स्ट ईयर था कॉलेज में और राज का लास्ट ईयर। उसी एक साल में अच्छी दोस्ती हो गई थी दोनों में। नूपुर को राज बेहद पसंद था, क्योंकि वह दोस्ती को दोस्ती की हद में रखने वाला भद्र युवक था। दस मिनट में अपनी शादी, बेटी और प्यार करने वाले पति मधुकरजी के बारे में बता उसकी रामकहानी जानने की इच्छा जाहिर कर दी नूपुर।

चिरपरिचित मुस्कान के साथ राज बोला, 'जब मैं फर्स्टईयर में था तभी मेरी शादी हो गई थी। अभी मेरा बेटा दस साल का है।'

'यानी मुझसे मिलने से पहले तुम्हारी शादी हो चुकी थी, कॉलेज में किसी को पता नहीं चलने दिया तुमने। तुम अपने नाम के अनुसार हो। सभी से राज छुपा ले गए।'

'तुम्हीं बताओ क्या करता मैं? मेरी शादी पकड़उवा हुई थी। दो-तीन साल लग गए मुझे अपना आत्मविश्वास लौटाने में। घर का बड़ा लड़का होने से और पापा के न रहने से परिवार की सारी जिम्मेदारियां मुझ पर थीं। ससुराल से कोई आर्थिक सहायता नहीं मिली। बस अन्य दामादों से ज्यादा मेरी तारीफ होती रही। हालांकि, बड़ी बेटी की शादी खूब दान-दहेज देकर किया था उन्होंने और मेरे बाद छोटी की भी। मैं दहेज का विरोधी हूं, फिर भी मुझे लगा था वे हमारी सहायता करेंगे, पर ऐसा कुछ न हुआ। जो धन-धान्य से संपन्न था उस ओर घिग्घी बंधी रहती थी। उधर ही चढ़ावा चढ़ता था। दूसरी ओर हमलोग जद्दोजहद से लड़ रहे थे। दोहरा रूप देख बड़ी चुभन होती थी मुझे।'

'इसमें उस बेचारी का क्या दोष? पहले यह बताओ, तुम्हें उससे प्यार हुआ या नहीं।'

'हां भाई, पत्नी है। प्यार तो होना ही था।'

राष्ट्रीय सबजूनियर कबड्डी प्रतियोगिता दिसंबर में

बोकारो : एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल, बोकारो में आगामी 27 से 30 दिसंबर तक बालक एवं बालिकाओं की 32वीं राष्ट्रीय सब जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसकी तैयारी को लेकर प्रतियोगिता के व्यापक प्रचार-प्रसार के निमित एमजीएम के कक्षा- 7 डी के अर्पण गुप्ता द्वारा प्रस्तुत सर्वश्रेष्ठ रेखा चित्र गजु को राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभंकर (मसकट) चुना गया।

आयोजन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष फादर रेजी सी. वर्गीस एवं आयोजन सचिव गोपाल ठाकुर ने बताया कि शुभंकर चयन प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट दिया जायेगा एवं दिसंबर में बोकारो में होने वाली राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता के दौरान भारतीय कबड्डी टीम के खिलाड़ी सहित प्रो कबड्डी स्टार खिलाड़ियों के साथ सेल्फी लेने का मौका भी मिल सकेगा।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा दामिनी प्रिन्टर्स, जेब्री.- 12, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बोकारो से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक : विजय कुमार झा*
प्रबंध संपादक : कंचन झा, दिल्ली ब्यूरो : श्रवण कुमार झा, फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)

राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में भारत समेत दुनियाभर से 54 देशों के प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

संसदीय कार्यप्रणाली सुधारने को कनाडा में मंथन

संसदीय व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण का लिया संकल्प

कार्यालय संवाददाता

बोकारो/रांची : भारत सहित 54 देशों की संसदीय कार्यप्रणाली में सुधार को लेकर विश्वस्तरीय मंथन कनाडा के हैलीफैक्स में किया गया। 20 अगस्त से 26 अगस्त तक चले 65वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में संसदीय प्रणाली में सुधार, अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक मुद्दों व वैश्विक राजनीतिक चुनौतियों पर सकारात्मक चर्चा की गई। सम्मेलन के समापि से पहले भारत के आजादी के अमृत महोत्सव के तहत भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। इसमें पूरे भारत से आए लोग शामिल हुए।

इस सम्मेलन में झारखंड का प्रतिनिधित्व कर रहे आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने बताया कि सम्मेलन में भारत संसदीय प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कर रहे लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने सम्मेलन में विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श के दौरान भारत के दृष्टिकोण को रखने एवं सम्मेलन को सफल बनाने में सकारात्मक योगदान देने की सराहना की।

उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन से हम संसदीय प्रणाली से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों अवगत हुए और हमारी यह समझ बनी है कि संसदीय लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए देश व दुनिया के संसदीय व्यवस्था से जुड़े जन-प्रतिनिधियों से बातचीत होती रहनी चाहिए। उन्होंने बताया कि उन्हें लोकसभा अध्यक्ष के साथ कनाडा के अतिविशिष्ट व सिविल सोसाइटी के लोगों के साथ मिलने का मौका मिला। साथ ही सम्मेलन को अति उपयोगी बताते हुए झारखंड आकर सम्मेलन से मिले ज्ञान व अनुभव को साझा करने की बात भी कही।

राष्ट्रमंडल संसदीय संघ में 17000 सदस्य

डॉ. महतो ने कहा कि राष्ट्रमंडल संसदीय संघ में दुनिया भर के 17000 सदस्य हैं। सम्मेलन में 54 देश के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अपने देश से विभिन्न राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष , लोकसभा के पांच व राज्य सभा के दो सांसदों ने भी भाग लिया। उल्लेखनीय है कि इस सम्मेलन में झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रविन्द्र नाथ महतो तथा विधायक निरल पूर्ति को भी शामिल होना था, लेकिन किसी कारण से वे शामिल नहीं हो पाए और डॉ. लंबोदर ने इसमें हिस्सा लिया।

झारखंड का प्रतिनिधित्व कर रहे डॉ. लंबोदर ने सम्मेलन को बताया उपयोगी